Book Ad Any category of Classified and get special Discount
Times of india/ Hindustan times/ Denik jagran / Amar ujala/ Navbhbarat times Hindustan hindi
Discount Code TBC10
Contact:
Kunika Advrtising
Plot no,516. sector-12 friends co-operative society vasundhara ghaziabad
Mo. 8130640000

Year-14 issue- 12
RNI.NoUPBIL/2009/28691
DAVP Code:101473

15 august to 21 august 2022
Postal Registration No.UP/GZB-80/2016-18
Mo.9871895198

TIRUPATI BALAJI CHRONICLE

Hindi/English {Bi-Lingual} Weekly Ghaziabad
डीएवीपी एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त

Page 03 दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर ...

Page 05 एक लाख उपभोक्ताओं ...

Page 08 15 अगस्त पर देशभक्ति ...

धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार

मंदिरों में लगे जय कन्हैया लाल के जयकारे

गाजियाबाद न्यूज। शहर की सोसायटी व मंदिर में बृहस्पतिवार और शुक्रवार को कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। इंदिरापुरम, वैशाली, वसुंधरा, अहिंसा खंड, शक्तिखंड, शालीमार गार्डन, राजेंद्र नगर, लाजपत नगर के तमाम मंदिर में विधि-विधान से पूजा अर्चना हुई। लोगों ने भजन-कीर्तन किया और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के भजन गाए। यहां मंदिरों को फूल-मालाओं से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने राधा-कृष्ण को 56 प्रकार के भोग भी लगाए। वैशाली सेक्टर-2 शिव मंदिर, वैशाली सेक्टर-4 के गोपेश्वरनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी का दूध, फल, मिष्ठान से अभिषेक किया। वहीं, मोहन नगर के मां दुर्गा शक्ति मंदिर में एक दिवसीय मेले का आयोजन हुआ। यहां हजारों लोगों ने मंदिर प्रांगण में लगी राधा कृष्ण की आकर्षक झांकियों का आनंद लिया। शालीमार गार्डन के मां जगदम्बा मंदिर में राधा-कृष्ण के प्रोग्राम आयोजित किए गए। बच्चों ने कान्हा के रूप में सुंदर वस्त्रों से सुज्जित होकर एक से एक कार्यक्रम की रोचक प्रस्तुति दी। कही मटकी फोडी तो कही माखन चोरी किया। इसके अलावा बांसुरी हाथ में लेकर राधा-कृष्ण और गोपियों की लीलाओं पर रोचक नृत्य किया।

सुंदर झांकियों ने मोहा मन

मोहन नगर दुर्गा मंदिर में श्री कृष्णा जन्माष्टी पर शाम के समय विशेष पूजा अर्चना हुई। यहां पर सुबह से ही पूजा अर्चना करने के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। मंदिर में राधा-कृष्ण व अन्य देवी-देवताओं की मूर्तियों को फूल-मालाओं से सजाया गया। यहां झांकियों ने श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित किया। राधा-कृष्ण को 56 प्रकार के भोग लगाकर याद किया। श्रीकृष्ण के जयकारों से मंदिर का माहौल भक्तिमय हो गया। यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए बैरिकेटिंग की गई और मंदिर के भीतर व बाहर की तरफ पुलिस बल तैनात किया गया।

(शेषपेज08पर)

TIRUPATIEYE

22 अगस्त को वृहद रोजगार मेले का आयोजन

टीबीसी न्यूज । न्यूज। डीएम राकेश कुमार के नेतृत्व में 22 अगस्त को बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए मुराद नगर में लिए वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। इसमें बेरोजगार युवक-युवतियों के लिए पंजीकरण की शुरुआत हो चुकी है। जिला रोजगार सहायता अधिकारी गाजियाबाद संतोष कुमार सिंह ने बताया कि निजी क्षेत्र की लगभग 10 से अधिक कम्पनियाँ 500 से अधिक रिक्ति के सापेक्ष चयन करने हेतु प्रतिभाग कर रही है। वृहद रोजगार मेले में हाईस्कूल से लेकर स्नातकोत्तर पास अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 वर्ष से 40 वर्ष के बीच हो भाग ले सकते है। इन कम्पनियों द्वारा कम्प्यूटर ऑपरेटर, टेली कॉलर, सेल्स एक्जीक्यूटिव, सेल्स ऑफीसर, तकनीकी सहायक आदि पदों के लिए भर्ती की जायेगी। प्रतिभागी अभ्यर्थियों की आयु सीमा 18 वर्ष से 40 वर्ष है। वेतनमान 10,000 से 30,000 रू० प्रतिमाह है। उन्होंने बताया कि रोजगार मेलें में प्रतिभाग करने की प्रक्रिया के लिए अभ्यर्थी को निम्न प्रक्रिया पूर्ण करनी पड़ेगी। इसके लिए सर्वप्रथम इच्छुक अभ्यर्थी विभागीय वेबसाइट sewayojan.up.nic.in पर जाकर जॉब सीकर के रूप में स्वयं को पंजीकृत करेगें। पंजीकरण के समय अभ्यर्थी को उसकी लॉग इन आई0डी0 एवं पासवर्ड प्राप्त होगा तत्पश्चात अभ्यर्थी प्राप्त आई0डी0 एवं पासवर्ड से लॉगिन कर व्यक्तिगत विवरण एवं शैक्षिक योग्यता से सम्बन्धित फॉर्म भरेगें। अंतिम पृष्ठ को भरने के पश्चात जब अभ्यर्थी सबमिट करेगें तो उन्हें पंजीकरण संख्या प्राप्त होगा। यह पंजीकरण संख्या तीन वर्ष तक मान्य होगा। तीन वर्ष के पश्चात 15 दिनों के अन्दर नवीनीकरण करना होगा अन्यथा यह पंजीकरण रद्द हो जायेगा (पंजीकरण निशुल्क हैं)।

नगर निगम ने सूखा व गीला कचरा अलग नहीं करने वाले सौ प्रतिष्ठानों को भेजा नोटिस

गाजियाबाद। सूखा और गीला कूड़ा अलग नहीं करने वाले प्रतिष्ठानों पर नगर निगम ने शिंकजा कसना शुरू कर दिया है। निगम ने 100 और प्रतिष्ठानों को नोटिस भेजकर सूखा और गीला कूड़ा अलग नहीं करने पर एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाने की चेतावनी दी है। इससे पहले 90 प्रतिष्ठानों को नोटिस जारी हुआ था। निगम की टीम शहर में औचक निरीक्षण कर रही है।

शहर से रोजाना 1200 मीट्रिक टन कूड़ा निकल रहा है। इसका निस्तारण करने में परेशानी हो रही है क्योंकि लोग सूखा और गीला कूड़ा अलग नहीं कर रहे। इस कारण कूड़ा एक जगह पड़ा रहता है। निगम अधिकारियों ने अब सूख और गीला कूड़ा अलग करने की योजना पर काम शुरू किया है। गीले कूड़े से खाद तैयार कराई जा रही है। सूखे कूड़े को रिसाइकिल किया जा रहा है।

निगम की तरफ से कूड़ा अलग करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया। इसके बाद भी कूड़ा अलग नहीं किया जा रहा। ऐसा करने वाले लोगों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। निगम के स्वास्थ्य विभाग ने कई रेस्टोरेंट और अन्य प्रतिष्ठानों की जांच की। जांच के दौरान सूखा और गीला कूड़ा एक जगह पड़ा मिला। इस पर निगम की तरफ से नोटिस जारी किया गया। फिर से जांच के दौरान कूड़ा अलग नहीं मिला तो एक-एक लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डा. मिथिलेश कुमार का कहना है कि सूखा और गीला कूड़ा अलग करना अनिवार्य कर दिया है। ऐसा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।

हाउस टैक्स में 30 सितंबर मिलेगी 20 फीसदी छूट

गाजियाबाद न्यूज। शहर के लोगों को हाउस टैक्स जमा करने के लिए छूट का ऑफर अभी भी बरकरार है। दरअसल, हाउस टैक्स जमा करने पर 20 फीसदी छूट का लाभ 30 सितंबर तक ही मिलेगा। नगर निगम ने इस बार 15 फीसदी छूट का स्लैब खत्म कर दिया है। अक्तूबर से नवंबर तक अब 10 प्रतिशत और दिसंबर से जनवरी तक पांच फीसदी छूट का लाभ ही मिलेगा। नगर निगम हाउस टैक्स जमा करने पर करदताओं को कई स्लैब में छूट देता है। यह छूट इसलिए दी जाती है ताकि लोग समय पर हाउस टैक्स जमा करा सके। निगम अब से पहले 20, 15, 10 और पांच फीसदी छूट का लाभ देता था। इस बार 15 फीसदी छूट का लाभ देने वाला स्लैब खत्म कर दिया गया। मुख्य कर निर्धारण अधिकारी डा. संजीव सिन्हा ने बताया कि 30 सितबंर के बाद 20 प्रतिशत छूट का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने करदाताओं से हाउस टैक्स जमा कराने की अपील की है। उन्होंने बताया कि अगले साल जनवरी के बाद हाउस टैक्स जमा करने पर कोई लाभ नहीं मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने बताया कि लंबित बकायेदारों की सूची भी तैयार कराई जा रही है। 50 हजार से लेकर पांच लाख से ज्यादा के बकायेदार को नोटिस किए जारी किए जा रहे हैं। इन सभी के पानी और सीवर कनेक्शन काटे जाएंगे

पेट्रोल पंप पर मनमानी से ग्राहक परेशान, नहीं हो रही कोई सुनवाई

गाजियाबाद न्यूज। बाट माप तौल विभाग की लापरवाही से क्षेत्र के पेट्रोल पंप पर मनमानी चल रही है। हर महीने किसी ना किसी पेट्रोल पंप पर घटतौली का आरोप लगाते हुए लोगों के हंगामे की सूचना मिलती है। इसके बाद कुछ दिन तक सब ठीक चलता है। लेकिन फिर वही रवैया शुरू हो जाता है।

लोगों का मानना है कि विभाग के अधिकारियों की पंप संचालकों से सांठगांठ है। इसीलिए कार्रवाई नहीं होती है। बीते शनिवार को ही लोगों ने घटतौली का आरोप लगाते हुए बस स्टैंड के पास स्थित पेट्रोल पंप पर हंगामा किया। हृदयपुर भंडौला के राजू पेट्रोल डलवाने आए थे। तीन लीटर पेट्रोल के रुपये लेकर केवल एक लीटर पेट्रोल ही बाइक में डाला गया था। इतना ही नहीं, एक महीने पहले गोविदपुरी में गंदे नाले के पास भी पेट्रोल पंप पर हंगामा हुआ। यहां तक की पेट्रोल में पानी मिलाने की आरोप लगाकर भी पेट्रोल पंप पर दो महीने पहले हंगामा हुआ था। इसके बावजूद अधिकारियों की नींद नहीं टूटी। पेट्रोल पंप पर पेट्रोल-डीजल की माप तौल सही चलती रहे, इसकी निगरानी बाट माप तौल विभाग करता है। समय-समय पर पेट्रोल पंप पर जाकर जांच करना भी उनकी जिम्मेदारी होती है। लेकिन, कहीं ना कहीं अधिकारियों द्वारा जिम्मेदारी पूरी नहीं करने से पेट्रोल पंपों पर गड़बड़ी सामने आती है।

इस बारे में एसडीएम शुभांगी शुक्ला का कहना है कि इस तरह के मामले उनकी जानकारी में नहीं है। यदि ऐसा है तो माप तौल विभाग के अधिकारियों को पत्र लिखा जाएगा। पेट्रोल पंपों पर जांच कराई जाएगी।

आरटीई के तहत दाखिला नहीं देने वाले स्कूलों की मान्यता हो सकती है रद्द

गाजियाबाद। आरटीई के तहत दाखिला नहीं देने वाले स्कूलों के खिलाफ शिक्षा विभाग सख्त हो गया है। नोटिस के बाद भी गरीब छात्रों को एडमिशन नहीं देने पर इनकी मान्यता रद्द करने के लिए शिक्षा विभाग ने तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि जनपद में निशुल्क शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत कुल 5067 बच्चों का चयन किया गया है। सभी दस्तावेज होने के बावजूद भी इन चयनित बच्चों के अभिभावक पांच महीने से दाखिलों के लिए धक्के खा रहे हैं। इन स्कूलो को दाखिले करने के लिए कई बार नोटिस जारी किए जा चुके हैं, लेकिन अनेकों नोटिसों और चेतावनियों के बाद भी इन्हें दाखिला नहीं मिल सका है।

शासन के आदेशों की अवहेलना करने वाले इन स्कूलों के खिलाफ विभाग सख्त हो गया है। शिक्षा विभाग ऐसे स्कूलों की सूची तैयार कर रहा जिन्होंने बार-बार नोटिस के बाद भी चयनित बच्चों को दाखिला नहीं दिया है। बीएसए विनोद मिश्रा ने बताया कि 10 अगस्त को जिला प्रशासन के नेतृत्व में हुई बैठक में 35 स्कूलों को 10 दिन के भीतर दाखिले करने का वक्त दिया गया है। इन सभी स्कूलों की पूरी रिपोर्ट तैयार की जा रही है। यदि निर्धारित समय में बच्चों को प्रवेश नहीं दिया जाता है तो इन स्कूलों की मान्यता रद्द करने के लिए डीएम को फाइल भेजी जाएगी। उधर, बीएसए विनोद मिश्रा ने बताया कि सभी स्कूलों को 10 दिन के भीतर आरटीई के सभी बच्चों को दाखिला देना होगा। यदि निर्धारित समय में प्रवेश नहीं दिया जाता है तो इन स्कूलों की मान्यता रद्द करने की कार्रवाई की जाएगी।

पुरातत्व विभाग की धरोहर के रूप में संरक्षित अंग्रेजों की कब्रों पर लोगों ने किया अवैध अतिक्रमण

गाजियाबाद। हिंडन विहार इलाके में पुरातत्व विभाग द्वारा राष्ट्रीय धरोहर के रूप में संरक्षित अंग्रेजों के कब्रिस्तान पर अवैध निर्माण करने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुरातत्व विभाग मेरठ मंडल के वरिष्ठ संरक्षण सहायक ने हिंडन विहार निवासी दो लोगों के खिलाफ नंदग्राम थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि जांच कर आगामी

पुरातत्व विभाग के वरिष्ठ संरक्षण सहायक सुजीत ने दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि दिल्ली-मेरठ रोड पर अंग्रेजों के कब्रिस्तान के नाम से केंद्रीय संरक्षित स्मारक है। इस भूमि पर किसी भी तरह का निर्माण, छेड़छाड़, नवीनीकरण और उत्खनन पूरी तरह से प्रतिबंधित है। इसके बावजूद कुछ लोगों द्वारा कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध निर्माण कराया जा रहा है। इस तरह का अवैध निर्माण प्राचीन स्मारक और पुरातात्विक स्थल और अवशेष (संशोधन एवं विधिमान्यकरण) अधिनियम के तहत अपराध है। सूचना मिलने पर मौका-मुआयना करने पर निर्माण होता पाया गया। देवेंद्र त्यागी व आदिल अवैध निर्माण करते हुए चिन्हित हुए। वरिष्ठ संरक्षण सहायक ने पुलिस से अवैध निर्माण रुकवाने और उसे ध्वस्त कराने की मांग की। वरिष्ठ संरक्षण सहायक के मुताबिक राष्ट्रीय धरोहर के साथ छेड़छाड़ करने पर दो साल से अधिक के कारावास और अर्थदंड का प्रावधान है। इस अपराध की प्रवृत्ति को देखते हुए कारावास और एक लाख तक के अर्थदंड तक दिया जा सकता है। नंदग्राम एसएचओ मुनेंद्र सिंह ने बताया कि पुरातत्व विभाग की तरफ से मिली शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगामी कार्रवाई की जा रही है।

15 वर्षीय छात्रा ने पॉकेट मनी से तैयार की लाइब्रेरी

जिलाधिकारी ने भी किया पुस्तकालय का निरीक्षण

गाजियाबाद। डासना ग्राम पंचायत में 15 वर्षीय हाई स्कूल की छात्रा इशानी अग्रवाल के द्वारा बनाई गई लाइब्रेरी (किताब घर) की पूरे जनपद ही नहीं दूर-दूर तक चर्चा है।

आजादी के अमृत महोत्सव के मौके पर जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह एवं अपर जिलाधिकारी प्रशासन ऋतु सुहास ने किताब घर का निरीक्षण किया। इस दौरान बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी ने हर किसी का दिल जीत लिया। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने ईशानी अग्रवाल को बधाई देते हुए इस नेक कार्य के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि छोटी सी उम्र में शिक्षा के प्रति लोगों को जागरूक करने की जो मुहिम ईशानी ने चलाई है वह वाकई काबिले तारीफ है। ईशानी अग्रवाल ने अपनी पॉकेट मनी से जो किताब घर तैयार किया है उससे आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित

रहने वाले सैकड़ों बच्चों को शिक्षा मिल रही है। ईशानी अग्रवाल के द्वारा पॉकेट मनी से जगाई शिक्षा की अलख से सैकड़ों विद्यार्थी शिक्षित हो रहे हैं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन ऋतु सुहास ने बताया कि ईशानी अग्रवाल से उनकी मुलाकात एक कार्यक्रम में ईशानी के माता-पिता ने कराई तब ईशानी अग्रवाल ने उनसे मशवरा व सहयोग की अपील करते हुए कहा था कि वह अपनी पॉकेट मनी से ऐसे बच्चों के लिए कुछ करना चाहती हैं जो आर्थिक तंगी के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। उन्होंने बताया कि ईशानी ने अपने जन्मदिन, त्योहारों व अन्य किसी घर में मिलने वाली पॉकेट मनी को जोड़कर करीब डेढ़ लाख रुपए इकट्ठा किए और शिक्षा से वंचित बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने का मन बनाया। ईशानी अग्रवाल ने बताया कि उन्हें बचपन से ही पढ़ने लिखने का शौक था लेकिन उनके मन में एक टीस थी। जब वह किसी बच्चे को पैसों के अभाव में शिक्षा से वंचित देखती, तभी उन्होंने ठान लिया था कि वह ऐसे बच्चों के लिए कुछ करेगी जिससे उन्हें भी ज्ञान की प्राप्ति हो सके। ईशानी का कहना है कि पिता जी ने ही अपर जिलाधिकारी प्रशासन ऋतु सुहास से मिलवाया था।

एडीएम प्रशासन ने डासना ग्राम पंचायत में करीब 15 वर्षो से जर्जर पड़े बारात घर में किताब घर बनाने को कहा। फिर क्या ईशानी अग्रवाल ने अपने पॉकेट मनी से इकट्ठा की करीब डेढ़ लाख रुपए की धनराशि से किताब घर बनाया। आज उस किताब घर की क्षेत्र में ही नहीं पूरे जनपद में चर्चा है। ग्रामीणों भी ईशानी अग्रवाल के इस नेक कार्य के लिए जमकर तारीफ कर रहे हैं। कक्षा 10 में पढ़ने वाली 15 वर्षीय होनहार छात्रा के जज्बे को सभी लोग सेल्यूट कर रहे हैं। 15 अगस्त आजादी के अमृत महोत्सव पर ईशानी अग्रवाल ने बच्चों द्वारा किताब घर में प्रदर्शनी का आयोजन किया।

देश भक्ति से ओत प्रोत कार्यक्रम में बच्चों ने समा बांध दिया। जिसका अवलोकन करने के लिए जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन ऋतु सुहास सहित अन्य अधिकारी भी पहुंचे जिन्होंने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया और इशानी अग्रवाल के जज्बे की सराहना की तथा सहयोग का आश्वासन दिया।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लगातार बढ़ रहे हादसों की रोकथाम के लिए ट्रैफिक पुलिस ने कसा शिकंजा

गाजियाबाद न्यूज। गाजियाबाद। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर लगातार बढ़ रहे हादसों की रोकथाम के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने दोपहिया और तीन पहिया वाहनों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया। यातायात पुलिस को उन प्रतिबंधित वाहनों के फोटो खींचकर भेजे जा रहे हैं जो एक्सप्रसेवे पर फर्राटा भर रहे हैं। इसके अलावा कैमरों को भी अपटेड किया जा रहा है।

दोहिपया और तीन पहिया वाहन एक्सप्रेसवे पर नहीं चल सकते। एनएचएआई ने इनके चलने पर पाबंदी लगा रखी है। इसके बाजवूद एक्सप्रेसवे पर प्रतिबंधित वाहन दौड़ रहे हैं। इस कारण हादसे बढ़ रहे हैं। पिछले दिनों दोपहिया सवार एक महिला, उसकी बेटी और किशोरी की मौत हो गई थी। हादसे के बाद यातायात पुलिस ने सख्ती बरतनी शुरू की है। दोपहिया वाहनों के चालान किए जा रहे हैं। प्रतिबंधित वाहनों पर 20-20 हजार का चालान लगाया जा रहा है। वहीं एनएचएआई सिस्टम और कैमरे अपटेड कर रहा है। इसके अलावा एक्सप्रेसवे पर चलने वाले दोपहिया और तीन पहिया वाहनों के फोटो और नंबर यातायात पुलिस को भेजे जा रहे हैं। ताकि पुलिस ऐसे वाहनों के चालान घर भेज सके। इसके अलावा कई जगह यातायात पुलिस के जवान तैनात हैं। इस तरह सख्ती बरती जा रही है। इसके बावजूद कुछ दोपहिया वाहन एक्सप्रेसवे से अभी भी निकल रहे हैं। यातायात पुलिस ज्यादा सख्ती करने के लिए चालान की राशि बढ़ाने पर विचार कर रही है।

मेरठ-दिल्ली में रोके जाए प्रतिबंधित वाहन

यातायात पुलिस ने एनएचएआई को पत्र लिखा है।इसमें पुलिस ने एनएचएआई अधिकारी को बताया कि सराये काले खां और मेरठ परतापुर में दोहपिया वाहन एक्सप्रेसवे प्रवेश करते हैं।इन दोनों प्वाइंट पर प्रतिबंधित वाहनों को रोका जाए। इसके लिए एनएचएआई अपने स्तर से व्यवस्था करें।इसके अलावा कैमरों को अपग्रेड करने का सुझाव भी दिया है।यातायात पुलिस ने दोपहिया और तीन पहिया वाहन चालकों पर शिकंजा कसने के लिए एनएचएआई से कैमरों का लिंक मांगा है। लेकिन एनएचएआई अधिकारी लिंक नहीं दे रहे।यातायात पुलिस अधीक्षक रामानंद कुशवाहा का कहना है कि लिंक मिलने से चालान करने में आसानी हो जाएगी।डासना प्वाइंट पर यातायात पुलिस के जवान लगाए गए हैं।मगर पुलिस के सामने से ही दोपहिया वाहन निकल रहे हैं।इसके बाद भी कुछ ऐसे वाहन चालक हैं जो निकलने में कामयाब हो जाते हैं।हालांकि पुलिस माइक से उदघोषणा कर दोपहिया वाहन चालकों से एक्सप्रेसवे पर नहीं चलने की अपील भी कर रही है। उधर, एनएचएआई के परियोजना निदेशक अरविंद कुमार का कहना है कि यातायात पुलिस को रोजाना दोपहिया वाहनों का डाटा भेजा जा रहा है।ऐसे वाहनों के चालान किए जा रहे हैं और आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

तैराकी प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

गाजियाबाद। मोदीनगर दिल्ली-मेरठ मार्ग स्थित डॉ. केएन मोदी साइंस एंड कामर्स इंटर कॉलेज के तत्वाधान में केएन मोदी फाउडेशन परिसर में स्थित स्मीमिंग पुल में इंटरमीड़एिट कॉलेजिएट मंडलीय स्तरीय तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारम्भ प्रधानाचार्य सतीश चंद्र अग्रवाल ने फीता काटकर किया। तैराकी प्रतियोगिता में गाजियाबाद ,बुलन्दशहर ,बागपत व मेरठ के कॉलेज के छात्रों ने भाग लिया। कॉलेज के एन सी सी अधिकारी प्रवीण जैनर ने बताया कि र् प्रतियोगिता में 50 मीटर बैक स्ट्रोक, अंडर-14 मे ग़ाज़ियाबाद के करण ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर फ्रीस्टाइल अंडर-19 प्रतियोगिता में ग़ाज़ियाबाद के अनुज कुमार प्रथम स्थान पर रहे तथा गाजियाबाद के ही राम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। 50 मीटर फ्ऱीस्टाइल, अंडर-17 प्रतियोगिता में बागपत के अंश ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा बालिका वर्ग में 50 मीटर फ्ऱीस्टाइल अंडर -17 वर्ग में नव्या शर्मा गाजियाबाद ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 15 सौ मीटर फ्री स्टाइल में ग़ाज़ियाबाद के अभिराज प्रथम स्थान पर रहे। 100 मीटर बैक स्ट्रोक मे अंडर-17 प्रतियोगिताओं में बुलंदशहर के रोहित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। तैराकी प्रतियोगिता को संपन्न कराने में कॉलेज के पूर्व खेल प्रशिक्षक वीरेंद्र त्यागी (एन आइ एस रेसलिंग) प्रधानाचार्य मनोज शर्मा,दीप्ति उज्ज्वल (शारीरिक शिक्षक,आर एम एम), सुनील कुमार, दिवाकर मलिक, हरीश कुमार,बाबूराम, जयवर्धन सिंह, गौरव, नीरज, अर्पित मलिक, अमन प्रताप,बब्लू आदि का विशेष सहयोग रहा।

धोबीघाट आरओबी निर्माण कार्य में सेना ने अपनी जमीन बता कर रुकवाया काम

गाजियाबाद। दिल्ली कानपुर रेलखंड पर आरओबी का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं हो सका है। एक बार फिर इसक कार्य में बाधा उत्पन्न हो गई है। दरअसल, बीते पांच साल से निर्माणाधीन धोबीघाट आरओबी(रेल ओवर ब्रिज) के निर्माण में एक बार फिर से अड़चन आ गई है।

सेना ने निर्माणाधीन प्रोजेक्ट में विजय नगर की ओर बन रहे अप्रोच रोड में अपनी जमीन बता कर काम रुकवा दिया है।गाजियाबाद जंक्शन के आगे घंटा घर क्षेत्र से पुराने विजय नगर क्षेत्र को जोड़ने के लिए धोबीघाट आरओबी का निर्माण कार्य करीब पांच साल से चल रहा है। करीब एक किमी लंबे इस आरओबी के निर्माण में बार बार अड़चनें आ रही हैं। ताजा मामला विजय नगर साइड में बन रहे अप्रोच रोड का है। यहां पर करीब दो सौ मीटर लंबा अप्रोच मार्ग का निर्माण एजेंसी द्वारा किया जा रहा था। मंगलवार को इसी बीच सेना के जवान मौके पर पहुंचे और अप्रोच रोड की जमीन को सेना की जमीन बताते हुए काम रूकवा दिया। कर्मचारियों की शिकायत पर निर्माण एजेंसी के एमडी सूर्यांश शर्मा अपने इंजीनियर के साथ मौके पर पहुंचे। सेना के अधिकारियों को जमीन संबंधी कागजात दिखाकर समाधान करने का प्रयास किया।

इसके लिए उन्होंने दस्तावेज भी दिखाए। जो पिछले दिनों सेना, रेलवे और प्रशासन के राजस्व विभाग द्वारा की गई पैमाइश के बाद तैयार किए गए थे। इस दस्तावेज में उक्त जमीन रेलवे का बताया गया था। इसके बाद निर्माण एजेंसी द्वारा अप्रोच रोड बनाने का काम शुरू किया गया। एमडी सूर्यांश शर्मा ने बताया कि दस्तावेज देखने के बाद भी सेना के जवानों ने रक्षा मंत्रालय से एनओसी लाने के बाद ही काम शुरू करने को कहा। उन्होने इसके बाद रेलवे के अधिकारियों को लिखित में शिकायत दे दी है।

बता दें कि इसी जमीन को लेकर पूर्व में भी सेना द्वारा काम रुकवाया जा चुका है। तब प्रशासन ने इसकी पैमाइश कराई थी। जबकि घंटा घर साइड में निर्माणाधीन अप्रोच रोड में भी चौधरी मोड़ के पास पुलिस चौकी और पांच पेड़ बाधक बने हैं। निर्माण एजेंसी द्वारा जीडीए और रेलवे अधिकारियों को कई बार इन समस्याओं के समाधान के लिए पत्राचार किया है। लेकिन करीब तीन महीने बाद भी चौकी और पेड़ों के नहीं हटने से घंटा घर की ओर भी अप्रोच निर्माण का काम फंसा पड़ा है।

नर्सरी मालिक व फल विक्रेताओं ने किया अतिक्रमण

रोड के किनारे सौंदर्यीकरण के लिए लगी पत्थर की जाली टूटी

गाजियाबाद। मोहन नगर हिंडन एयरफोर्स रोड के चौराहे से लाजपत नगर तक सौंदर्यीकरण के लिए लगाए गए राजस्थानी पत्थर नर्सरी मालिक व फल-विक्रेताओं के अतिक्रमण से टूट गए हैं। कई जगह पर ग्रीन बेल्ट पर नर्सरी मालिकों ने भराव करने के लिए मिट्टी डाली है। जिससे बीच-बीच से पत्थर की जाली टूट गई है।

जबकि मुख्य सड़क की तरफ जाली को तोड़कर फल विक्रेताओं ने अपने बैठने का ठिया बना लिया है। आरोप है कि निगम में शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। दरअसल, नगर निगम ने ढाई साल पहले एयरफोर्स चौराहे से पेट्रोल पंप, करहेड़ा के सम्राट पृथ्वीराज चौहान गेट के आसपास करीब 35 लाख रुपए की लागत से जाली के आकार में लाल पत्थर से सौंदर्यीकरण कराया था।

लेकिन अब ग्रीन बेल्ट पर जगह-जगह नर्सरी बना ली गई है। भराव के लिए मिट्टी डालने से कई जगह से पत्थर की जाली टूट गई है। शालीमार गार्डन सांझा प्रयास के संयोजक जुगल किशोर ने बताया कि निगम की लापरवाही से महंगे पत्थर की जाली टूटने लगी है। दूसरी जगहों पर नर्सरी खोली जा सकती है। लोगों का कहना है कि साइकिल ट्रैक के बराबर में भी नर्सरी खोल ली गई है। जिससे पैदल चलने वाले लोगों को दिक्कत हो रही है। एयरफोर्स रोड चौराहे की मुख्य सड़क पर फल विक्रेताओं का कब्जा है।

यहां से चंद कदम की दूरी पर पुलिस चौकी है और करीब 600 मीटर की दूरी पर मोहन नगर जोनल ऑफिस है। इसके बाद भी अतिक्रमण हटाने के लिए कोई कोई अभियान नहीं चलाया जा रहा है।

नर्सरी के नाम पर चल रही दुकानें

राजेंद्र नगर जिंदल मार्केट की रोड की ग्रीन बेल्ट पर भी जगह-जगह नर्सरी खोल ली गई हैं।यहां भी नर्सरी से नारियल पानी व फल की दुकान से अतिक्रमण कर लिया गया हैं।निवासी विकास कुमार ने बताया कि जोनल ऑफिस में शिकायती पत्र दिया गया है। लेकिन अभी तक कोई सुनवाई नहीं हो सकी है।उधर, उद्यान प्रभारी डॉ अनुज ने बताया कि एयरफोर्स रोड का निरीक्षण किया जाएगा।पत्थर को नुकसान पहुंचाने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

आरटीओ और पॉलिटेक्निक के ट्रेनिंग सेंटर के लिए 30 बीघा बंजर जमीन खाली

गाजियाबाद। सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों पर कार्रवाई कर जिला प्रशासन ने डासना क्षेत्र में 30 बीघा बंजर जमीन खाली कराई है। करीब 30 करोड़ की कीमत वाली इस बेशकीमती जमीन को भूमाफियाओं से बचाने के लिए प्रशासन ने तीन विभागों को आवंटित की है। इस जमीन पर संभागीय परिवहन विभाग, पॉलिटेक्निक के प्रशिक्षण केंद्र व कार्यालय बनेंगे। डासना क्षेत्र में कॉलोनाइजरों ने सरकारी नाली, चकरोड़ समेत बंजर भूमि पर भी प्लॉटिंग शुरू कर दी थी। एसडीएम सदर विनय कुमार सिंह को इसकी शिकायत मिली तो उन्होंने जमीन की पैमाइश कराकर उस पर किए गए निर्माण को ध्वस्त कराया।

Editorial

Meeting India's aspirations: On Modi's ninth I-Day speech

Prime Minister Narendra Modi rightly described independent India's 75-year journey as one of "ups and downs" in his ninth speech from the stately Red Fort on Monday. Praising those who fought for India's freedom, the Prime Minister pointed to the country's achievements even as he acknowledged the challenges of fulfilling the pressing needs of an ever-aspirational society, tugging at the seams of government. National pride and self esteem were dominant themes as he urged the country to rid itself of the need to look for approval from abroad. Asking the question about how long India could go on living on "certificates" from abroad, the Prime Minister wondered why India could not develop its own "markers". Though Mr. Modi provided no context to these remarks, his comments could indicate his unhappiness with international criticism directed at his government on governance and human rights' issues. Successive Prime Ministers have used their Independence Day speeches as a stock-taking of their government's record and as an insight to what the nation might face. With two years left for the general election, the Prime Minister was in an expansive mood, taking up issues of women's safety, energy self-reliance, celebrating the diversity of India, the need to respect all languages, and promising an all-out war against corruption and "parivarvad", or the pernicious influence of dynasty. The Prime Minister asked the people to give him their "blessings" as the battle against corruption enters a decisive phase where even the big fish will not be spared. Even as he dwelt on governance issues, Mr. Modi laced his speech with a political appeal.

(Dr. Dheeraj Kumar Bhargava)

Rohit laid back, Dhoni handled transition well, Kohli was different': Ganguly on great India captains after he quit

BCCI president Sourav Ganguly's name is likely to be in the top tier of India's most successful captains. He may not have won a World Cup but under his leadership, India rose from uncertainties and fought fire with fire against some of the best teams in the world even in their own backyard. Ganguly, however, would be the first one to admit that Indian cricket has only moved forward since he hung his boots and the country has seen captains who have not only carried the mantle but have played a major role in adding golden chapters to the history of Indian cricket.

Under MS Dhoni, India won the inaugural edition of the T20 World Cup in 2007, became the No.1 Test side and went on to lift the ODI World Cup in 2011 followed by the Champions Trophy in 2013. Dhoni's successor Virat Kohli was not too far behind. He took India to unprecedented heights in Test cricket with their longest run at top of the ICC Test rankings. Now Rohit Sharma has had a wonderful start to his captaincy career with back-to-back wins in white-ball cricket. Rohit's main aim, however, will be to put an end to India's almost decade-long wait for an ICC event. As the Rohit-led side gears up to defend their Asia Cup title in UAE, Ganguly was asked to share his thoughts on the leadership style of the India opener, who has won a record five IPL titles as captain of the Mumbai Indians.

Rohit Sharma is obviously a bit laid back who takes things in a very calm and cautious way and not someone who's into your face all the time, Ganguly said during the Bengal Peerless event on 'Leadership in Modern India' here.

The former captain was replying to a query on the crop of Indian leaders since he called it quits. Ganguly had some great words to say for two of India's most successful captains MS Dhoni and Virat Kohli.

India has produced some great captains over the years. MS Dhoni who handled the transition fantastically, and continues to bring accolades not just for India but his franchise (Chennai Super Kings).

Health of international cricket will safeguard health of cricket as whole': R Ashwin on rise in T20 leagues

The rise of franchise cricket has been heavily debated by experts, who also believe the future of international cricket or at least the 50-over format looks bleak. The debate triggered with Ben Stokes announcing his retirement from the format, which came as a shock to many. And weeks after Trent Boult followed a similar route, the difference being the Kiwi quick instead asked the New Zealand Cricket Board to release him from his central contract.

Boult, however, will continue to play in various league across the globe and he was recently signed by the MI Emirates franchise for the inaugural edition of the International League T20 (ILT20) tournament, which will be played in UAE next year. While players are getting more inclined towards participating in franchise cricket, the boards have also started following a similar pattern.

Cricket South Africa recently scrapped their ODI series against Australia in January next year to focus entirely on their new T20 league, which will see six franchises owned by IPL owners taking part.

Sharing his thoughts on the same, India's star spinner R Ashwin feels the rise of franchise cricket will have a big impact on the international calendar. He also cautioned the stakeholders to take things a bit slow.

₹The future of international cricket and its calendar is going to be largely affected by franchise cricket. We should take these leagues forward carefully. The health of international cricket will safeguard the health of cricket as a whole,₹ the carrom-ball specialist said in a video shared on his YouTube channel.

शहर में कुत्तों का आतंक, लोग पहुंचे एंटी रैबीज वैक्सीन लगवाने

गाजियाबाद न्यूज। शहर में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। मलिन बस्तियों के साथ ही पाश इलाकों में भी कुत्ते लोगों को घायल कर रहे हैं। बुधवार को जिला एमएमजी अस्पताल स्थित एआरवी सेंटर पर 66 लोग वैक्सीन लगवाने पहुंचे। इनमें 10 बच्चे शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक सोसायटी के लोगों को आवारा नहीं, पालतू कुत्ते अधिक घायल कर रहे हैं। सीएमएस डा. मनोज कुमार चतुर्वेदी ने बताया कि अगस्त में अब तक 1,297 लोगों को एंटी रैबीज वैक्सीन लगाई गई है। 77 बच्चों को घायलावस्था में वैक्सीन लगाने के साथ ही इमरजेंसी में भर्ती करते हुए इलाज किया गया है। इसके अलावा 167 लोग बंदरों द्वारा काटे जाने पर वैक्सीन लगवाने पहुंचे हैं। यह सिर्फ शहर में घायल होने वालों की संख्या है। पूरे जिले में यह संख्या रोजाना तीन सौ से अधिक है।

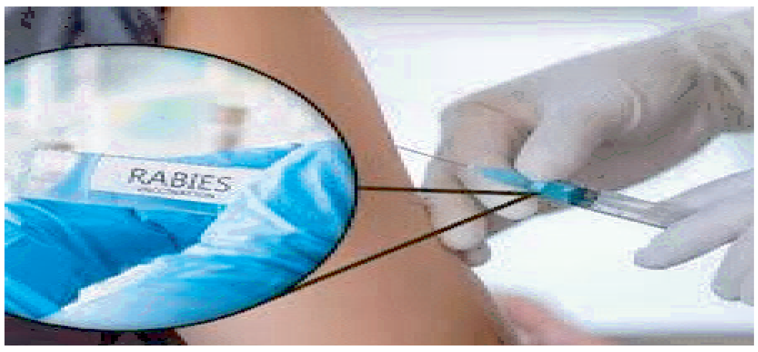

इन क्षेत्रों के लोग अधिक लगवा रहे हैं एंटी रैबीज वैक्सीन : विजयनगर, सिद्धार्थ विहार, राजनगर एक्सटेंशन, क्रासिंग रिपब्लिक, चिरंजीव विहार, लालकुआं, वसुंधरा, इंदिरापुरम, संजयनगर, कैला भट्टा, गांधीनगर, मोरटा, शास्त्रीनगर, सेवानगर, शिब्बनपुरा, पटेलनगर, लोहियानगर, मोहननगर, पसौंडा, नंदग्राम, विवेकानंदनगर, नेहरूनगर, गोविंदपुरम आदि।

इन बच्चों को कुत्तों के काटने पर लगाई गई एआरवी : हिमांशु शर्मा (अर्थला), सूरज (विजयनगर), युग सिंह (साहिबाबाद), कनिष्क (संजयनगर), अनमोल (सैन विहार), तरूण (नेहरूनगर), नरेंद्र कुमार (क्रासिंग रिपब्लिक), उवेश (विजयनगर), शहजाद (नंदग्राम), साजन (चिपियाना)

एक लाख उपभोक्ताओं को मिलेगा निर्बाध आपूर्ति का लाभ

गाजियाबाद न्यूज। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप 24 घंटे उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नए बिजलीघर व विद्युत उपकेंद्रों का निर्माण जारी है। इसी क्रम में शहरी क्षेत्र के मोरटा में 220 केवी का गैस इंसुलेटेड सिस्टम (जीआइएस) आधुनिक विद्युत उपकेंद्र तैयार हो रहा है।

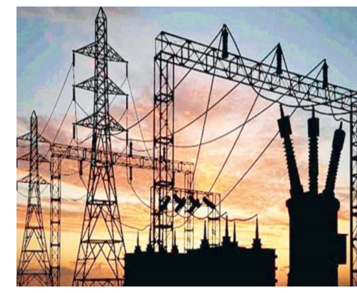

राजनगर एक्सटेंशन में हाईराइज सोसायटियों का निर्माण जारी है। इसके साथ ही विद्युत अधिभार भी लगातार बढ़ रहा है। ओवरलोड की समस्या से निजात दिलाने और निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिए मोरटा में 220 केवी का जीआइसी विद्युत उपकेंद्र तैयार हो रहा है, जिससे इस क्षेत्र में करीब एक लाख की आबादी निर्बाध विद्युत आपूर्ति से लाभान्वित होगी। यहां ओवरलोड होने से आए दिन फाल्ट होते है। नए उपकेंद्र के चालू होने पर मोरटा क्षेत्र के उपभोक्ताओं को ओवरलोड व कम वोल्टेज की समस्या से राहत मिलने के साथ ही निर्बाध विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। विद्युत अधिकारियों के मुताबिक जनवरी 2023 तक इसका निर्माण कार्य पूरा होने के साथ ही चालू किया जाएगा। गाजियाबाद जैसे शहर में जमीन के बढ़ते दामों को देखते हुए विद्युत निगम सामान्य उपकेंद्रों की जगह जीआइएस (गैस इंसुलेटेड सिस्टम) पद्धति पर मोरटा में जिले का दूसरा बिजलीघर बना रहा है। करीब पांच हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बनने वाले उपकेंद्र के निर्माण व लाइन में 50 करोड़ की लागत आएगी। यह सामान्य उपकेंद्र के मुकाबले आधी जगह में तैयार हो रहा है।

गोशाला की गोवंशी के लिए अपनाएं अलग कलर कोड

गाजियाबाद न्यूज। मंडलायुक्त ने कहा कि गोशाला के गोवंशी के लिए अलग कलर कोड अपनाया जाए, ताकि पता चल सके कि ये गोशाला की गाय हैं। गोशाला में चारे की व्यवस्था के लिए सरकारी चरागाह पर खेती कराने के निर्देश दिए। सड़कों पर बेसहारा मवेशियों की बढ़ती तादाद पर नाराजगी जताते हुए जरूरी कदम उठाने को कहा। मेरठ मंडलायुक्त सुरेंद्र सिंह ने बुधवार को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण कार्यालय में मंडल के सभी जिलाधिकारियों के साथ बैठक कर विकास कार्यों की समीक्षा की। जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि वह आइजीआरएस पोर्टल की निस्तारित शिकायतों की गुणवत्ता जांच को पांच से 10 प्रतिशत शिकायतों का रैंडम परीक्षण करें। लापरवाही पर संबंधित अधिकारी व कर्मचारी पर कार्रवाई करें।

सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट में बने दो टावर को ध्वस्त करने की तैयारी

नोएडा। सेक्टर-93ए स्थित सुपरटेक एमराल्ड कोर्ट में बने दो टावर को ध्वस्त करने की तैयारी अंतिम दौर में है। यातायात पुलिस की ओर से भी रूट डायवर्जन को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। एनएसइजेड की ओर से एल्डिको चौक से सेक्टर-108 की ओर जाने वाले वाहनों को एल्डिको चौक से पंचशील अंडरपास की ओर डायवर्ट कर गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। एनएसइजेड, सेक्टर-83 की ओर से आकर सेक्टर-92 चौक से श्रमिक कुंज की ओर जाने वाले वाहनों को एल्डिको चौक से पंचशील अंडरपास की ओर डायवर्ट कर गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। सेक्टर-93 स्थित

श्रमिक कुंज चौक से सेक्टर-82 की ओर से जाने वाले वाहनों को श्रमिक कुंज चौक से गेझा तिराहा की ओर या नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर डायवर्ट कर गंतव्य को भेजा जाएगा। सेक्टर-105 हाजीपुर, सेक्टर-108 से एल्डिको चौक होकर सेक्टर-83, फेज-2 एनएसइजेड की ओर जाने वाले वाहनों को सेक्टर-105 व सेक्टर-108 चौक से गेझा तिराहा की ओर या नोएडा एक्सप्रेस-वे की ओर डायवर्ट करके गंतव्य की ओर भेजा जाएगा। सेक्टर-82 श्रमिक कुंज से फरीदाबाद फ्लाईओवर का उपयोग कर सेक्टर-132 की ओर जाने वाले वाहनों को श्रमिक कुंज चौक से सेक्टर-108 की ओर डायवर्ट करके गंतव्य को भेजा जाएगा। सेक्टर-132 की ओर से आकर फरीदाबाद फ्लाईओवर का उपयोग कर सेक्टर-82 की ओर जाने वाले वाहनों को फ्लाईओवर से पूर्व सेक्टर-128 की ओर डायवर्ट कर गंतव्य को भेजा जाएगा।

अभियान चलाकर निर्माण कार्य से जुड़े 2500 कामगारों के बनाए गोल्डन कार्ड

नोएडा। निर्माण कार्य से जुड़े कामगारों का गोल्डन कार्ड बनाने के लिए उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड की तरफ से विशेष अभियान चलाया गया। 25 जुलाई से 14 अगस्त तक चले अभियान में 2500 पात्र परिवार के गोल्डन कार्ड बनाए गए हैं।

सीएमओ डा. सुनील कुमार शर्मा का कहना है कि पंजीकृत निर्माण कामगारों और उनके परिवार के सदस्यों को बीमारी की स्थिति में पांच लाख रुपये तक की निश्शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत गोल्डन कार्ड बनाया जाना है। कार्ड बनने से निर्माण कार्य से जुड़े कामगार पांच लाख रुपये तक का अपना और परिवार के सदस्यों का निश्शुल्क इलाज करा सकेंगे। विभाग की तरफ से इस योजना के लिए 22 हजार पात्र परिवारों को चिह्नित किया गया है। विभाग में पंजीकृत निर्माण कामगार अपने पंजीयन कार्ड, आधार कार्ड एवं राशन कार्ड लेकर किसी भी नजदीकी जन सुविधा केंद्र, आरोग्य मित्र या कोटेदार से संपर्क कर गोल्डन कार्ड बनवा सकते हैं।

गोल्डन कार्ड बनाने में सर्वर बना रोड़ा: आयुष्मान भारत योजना के तहत भवन एवं सन्निर्माण श्रमिकों का गोल्डन कार्ड बनाने में सर्वर की समस्या आड़े आ रही है। सर्वर नहीं चलने से गोल्डन कार्ड बनाने वाले पोर्टल में तकनीकी समस्या आ रही है। सहायक श्रमायुक्त सुभाष यादव का कहना है कि कामगारों के गोल्डन कार्ड बनाने का काम आगे भी जारी रहेगा। निर्माण कार्य से जुड़े कामगारों से अपील है कि वह जल्द से जल्द गोल्डन कार्ड बनवाएं। जिससे उन्हें योजना का लाभ मिल सके। कामगार शिविर या जनसेवा केंद्र पर जाकर भी अपना गोल्डन कार्ड बनवा सकते हैं। इसके लिए उनका पंजीयन कार्ड जरूरी है। गोल्डन कार्य के लिए आधार कार्ड, परिवार रजिस्टर एवं बैंक पासबुक भी जरूरी है।

नागरिक तक प्राधिकरण की सेवाएं पहुंचाना ही एकमात्र लक्ष्यः एसीईओ

ग्रेटर नोएडा। देश ही नहीं, बल्कि विश्वभर में निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा है। इंफ्रास्ट्रक्चर और हरियाली ने इसे एक अलग पहचान दी है, फिर भी लोक शिकायतों का संवेदनशीलता से शीघ्र निस्तारण, सिंगल वडो सिस्टम व ईआरपी को पूर्ण रूप से लागू करने जैसी कई चुनौतियां सामने हैं। इसके लिए सभी को और संवेदनशील होकर काम करना होगा। हर नागरिक तक प्राधिकरण की सेवाएं पहुंचाना ही एकमात्र लक्ष्य है। ग्रेनो प्राधिकरण के एसीईओ दीप चंद ने आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत ध्वजारोहण कार्यक्रम में ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण सभी कर्मचारियों व अधिकारियों को अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए लोक सेवा करना चाहिए। इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (आइआइटीजीएनएल) प्रधानमंत्री की प्रमुख परियोजनाओं में से एक है। अब चुनौती मल्टीमाडल लाजिस्टिक हब व ट्रांसपोर्ट हब को पूरा करने की है। एसीईओ अमनदीप डुली, जीएम प्रोजेक्ट केआर वर्मा, जीएम संपत्ति आरके देव व ग्रेटर नोएडा एंप्लाइज एसोसिएशन के अध्यक्ष गजेंद्र चौधरी ने संबोधित किया। मंच का संचालन सलिल यादव ने किया। कासना स्थित सावित्री बाई फूले बालिका इंटर कालेज की छात्राओं ने देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किए। उन्हें पुरस्कृत भी किया गया। प्राधिकरण में सेवाएं दे रहे पुलिस व भूतपूर्व सैनिकों को सम्मानित किया।

नालेज पार्क वन व जीटा वन में रोपे पौधे: ध्वजारोहण कार्यक्रम के बाद एसीईओ प्रेरणा शर्मा व जीएम प्रोजेक्ट केआर वर्मा ने मौलिश्री के पौधे रोपे। इसके बाद केआर वर्मा, सलिल यादव, कपिल सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने सेक्टर जीटा वन में पौधारोपण किया।

राघव जुयाल को डेट करने की चर्चा पर क्या बोलीं शहनाज

टीबीसी न्यूज। एक बार फिर शहनाज गिल का नाम एंटरटेनमेंट ट्रेंडिंग वर्ल्ड में टॉप पर है। दरअसल हाल ही में शहनाज की लव लाइफ में किसी खास शख्स की एंट्री की खूब चर्चा हो रही थी। कहा जा रहा था कि शहनाज इन दिनों जाने माने डांसर और होस्ट राघव जुयाल को डेट कर रही हैं। लेकिन अब इस बज को लेकर सना ने बयान दिया है। शहनाज बोलीं- हो जाऊंगी हायपर

शहनाज ने अब उनकी राघव जुआल संग डेटिंग की चर्चा पर फुलस्टॉप लगा दिया है। सना ने साफ कहा है कि किसी के साथ खड़े होने या घूमने का मतलब उस शख्स के साथ रिलेशनशिप में होना नहीं होता। मीडिया हर बार झूठ बोलती है। फिजूल बोलती है, अब मैं हाइपर हो जाऊंगी...'

सलमान की फिल्म में साथ काम कर रहे हैं शहनाज और राघव

सलमान खान की आने वाली फिल्म कभी ईद कभी दिवाली से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं हैं शहनाज। आपको बता दें शहनाज और होस्ट और डांसर राघव जुयाल भी सलमान खान की कभी ईद कभी दिवाली में शहनाज के साथ काम कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों को एक साथ कई जगहों पर देखा गया था जिसकी वजह से ही उनकी डेटिंग की अटकलें तेज हो गईं। बता दें कुछ समय पहले शहनाज और राघव की कुछ तस्वीरें सामने आईं थी जिसमें दोनों को साथ एंजॉय करते हुए देखा गया था। दोस्तों और इंडस्ट्री फ्रेंड्स के साथ वक्त गुजराते हुए शहनाज को देखकर लगता है कि अब वह धीरे-धीरे अपनी लाइफ में मूव ऑन कर रही हैं। उनके चहरे की रौनक धीरे-धीरे लौट रही है। कई इवेंट्स पर अब शहनाज का वही चुलबुला अंदाज नजर आता है।

सिद्धार्थ शुक्ला से पहले किसके प्यार में थीं शहनाज

एक रिपोर्ट के मुताबिक बिग बॉस हाउस में सिद्धार्थ शुक्ला से मुलाकात करने से पहले शहनाज गिल गौतम गुलाटी के साथ प्यार में थीं। बिग बॉस हाउस में आने के बाद उनके गौतम के प्रति प्यार का खुलासा हुआ था। वह खुद को उनकी सबसे बड़ी फैन बताती थीं। इसके अलावा शहनाज गिल कार्तिक आर्यन को भी बहुत पसंद करती हैं।

कहीं आपके एड़ी के दर्द के पीछे प्लांटर फेशिआइटिस तो नहीं वजह?

हेल्थ डेस्क। बेड से उतरते समय जमीन पर पैर रखते ही या फिर चलते-फिरते समय, क्या आपकी एड़ी में भी तेज दर्द महसूस होता है...अगर जवाब हां है, तो यह प्लांटर फेशिआइटिस हो सकता है। यही इस बीमारी के लक्षण भी हैं। इसमें व्यक्ति को दर्द इतना भीषण होता है कि पीड़ित पैर जमीन पर नहीं रख पाता है। पैर रगड़कर चलता है। इसमें तलवे धनुषाकार हो जाते हैं।आज के समय में एड़ी में दर्द एक आम समस्या बन गई है। जो सिर्फ बुजुर्गों में ही नहीं बल्कि युवा और टीनेजर्स में भी देखी जा रही है।

प्लांटर फेशिआइटिस के कारण

- पैर के अंगूठे की बनावट सही न होने और कमजोर होने पर।
- पैर की आंतरिक मांसपेशियां कमजोर होने पर।
- काफ की मसल्स सख्त, छोटे होने पर।
- चलने और दौड़ने का गलत तरीका।
- ऐसे कार्य, जिनमें पैरों का उपयोग ज्यादा करना होता है।जैसे फैक्ट्री में काम करने वाले, शिक्षक, नृत्य करने आदि जैसी गतिविधियों से अत्यधिक दबाव पड़ने से।

क्या है प्लांटर फेशिआइटिस-

प्लांटर फेशिआइटिस एड़ियों के दर्द का सबसे सामान्य कारण माना जाता है। प्लांटर फेशिया पैरों के निचले हिस्से के मोटे टिशूज या ऊतक होते हैं। यह ऊतकों का सपाट जोड़ है, जो कि एड़ियों की हड्डियों को हमारे पैर के अंगूठों से जोड़ता है। यह हमारे पैर के आर्च को सहारा देता है। जब हम इस पर दबाव डालते हैं तो यह प्लांटर फेशिया कमजोर हो जाता है, उसमें सूजन आ जाती और खड़े होने या चलने के दौरान एड़ियों में तेज दर्द महसूस होता है। जिन लोगों के पैर अत्यधिक चपटे होते हैं या उनके आर्च काफी अधिक होते हैं तो उनमें प्लांटर फेशिआइटिस होने का खतरा अधिक रहता है।

सील हुई इमारतों में जारी है निर्माण कार्य, जीडीए नहीं कर रहा कोई कार्रवाई

नोडल अधिकारी ने प्रवर्तन जोन आठ में निर्माणाधीन इमारतों को लेकर मांगा जवाब

जीडीए के अपर सचिव एवं प्रवर्तन विभाग के नोडल अधिकारी सीपी त्रिपाठी ने प्रवर्तन जोन आठ में आने वाले रेल बिहार, अंकुर विहार आदि की 20 से ज्यादा भूखंड पर लीक से हटकर निर्माण किए जाने का मामला सामने आने पर अधीनस्थ से जवाब तलब किया है।बाकायदा निर्माणाधीन बिल्डिंग से जुड़ी फोटो भी भेजी है।अपर सचिव ने कहा कि किसी भी स्थिति में अवैध निर्माण बर्दास्त नहीं किया जाएगा।

गाजियाबाद न्यूज। इंदिरापुरम क्षेत्र में जीडीए द्वारा सील की गई इमारतों में अधूरे काम पूरे किए जा रहे हैं। यही नहीं बिल्डरों द्वारा पार्किंग के लिए प्रस्तावित एरिया को भी व्यवसायिक गतिविधि के तौर पर बेचा जा रहा है। एक-एक दुकान की कीमत 60 से 70 लाख रुपये बतायी जा रही है। निर्माण कार्य जारी होने पर अपर सचिव ने जवाब-तलब किया है। सील इमारतों में निर्माण कार्य होने पर कई लोगों ने जीडीए में शिकायत भी की है। इंदिरापुरम में जीडीए के शाखा कार्यालय से चंद कदम की दूरी पर जिन बिल्डिंग को अपर सचिव सीपी त्रिपाठी के निर्देशन में सील किया गया था, उनमें अधूरे काम पूरे किए जा रहे है। प्राधिकरण के प्रवर्तन जोन छह के प्रभारी ओएसडी सुशील चौबे द्वारा लगातार आम लोगों को सलाह दी जा रही है कि बिल्डर से फ्लैट अथवा दुकान खरीदने से पहले जीडीए से एक बार जानकारी हासिल कर लें। कई बिल्डरों द्वारा पड़ोस का भूखंड भी खरीदने के बाद दोनों को जोड़ते हुए बहुमंजिला इमारत खड़ी की जा रही है।

ट्विटर अकाउंट से भावुक करने वाला वीडियो शेयर किया

नई दिल्ली। मशहूर कामेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत में कोई सुधार नहीं है। वह पिछले कई दिनों से दिल्ली एम्स में भर्ती हैं और उनका ब्रेन काम नहीं कर रहा है। चिकित्सकों की टीम उनको होश में लाने के लिए काफी प्रयत्न कर रही है, लेकिन अभी तक सफलता नहीं मिली है। हालांकि एक दिन पहले उनकी तबियत में मामूली सुधार देखने को मिला था, लेकिन बृहस्पतिवार को फिर से उनकी तबियत खराब हो गई है। उनके लाखों प्रशंसक उनके लिए दुआं कर रहे हैं। इसी बीच जाने-माने अभिनेता राजपाल यादव ने राजू श्रीवास्तव के खराब स्वास्थ्य को लेकर अपने टवीटर एकाउंट से एक इमोशनल वीडियो शेयर करते हुए कहा कि वो राजू का किस कदर इंतजार कर रहे हैं। उनके लाखों चाहने वालों का दुआं का सिलसिला भी जारी है। मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की हालत कुछ ठीक नहीं है।

जेवर एयरपोर्ट के पास आसियाना बनाने का एक और मौका

- **यमुना प्राधिकरण अगले हफ्ते आवासीय भूखंडों की योजना लॉन्च करेगा।इस योजना में 326 भूखंड हैं जिनका आकार 120, 162 और 200 वर्ग मीटर है।योजना लॉन्च करने से पहले उसका रेरा में रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा।**
- **इस योजना में 326 भूखंड शामिल होंगे।यह भूखंड सेक्टर-16 में हैं।आवेदक को रजिस्ट्रेशन के समय भूखंड के मूल्य का 10 प्रतिशत पैसा जमा करना होगा।योजना में एकमुश्त पैसा जमा करने वालों को वरीयता दी जाएगी।**

टीबीसी न्यूज। लोगों को जेवर एयरपोर्ट के पास घर बनाने का एक और मौका मिलने जा रहा है। यमुना प्राधिकरण अगले हफ्ते आवासीय भूखंडों की योजना लॉन्च करेगा। इस योजना में 326 भूखंड हैं जिनका आकार 120, 162 और 200 वर्ग मीटर है। योजना लॉन्च करने से पहले उसका रेरा में रजिस्ट्रेशन कराया जाएगा। जेवर में एयरपोर्ट का निर्माण शुरू होने के साथ ही सभी श्रेणी के भूखंडों की मांग बढ़ी है। इसको देखते हुए यमुना प्राधिकरण कई योजनाएं लॉन्च कर रहा है।

प्राधिकरण क्योस्क और दुकानों की योजना 15 अगस्त को लॉन्च कर चुका है। अब आवासीय भूखंडों की योजना लाॅन्च की तैयारी है। अगले हफ्ते इस योजना को लॉन्च कर दिया जाएगा। इस योजना में 326 भूखंड शामिल होंगे। यह भूखंड सेक्टर-16 में हैं। आवेदक को रजिस्ट्रेशन के समय भूखंड के मूल्य का 10 प्रतिशत पैसा जमा करना होगा। योजना में एकमुश्त पैसा जमा करने वालों को वरीयता दी जाएगी। भूखंडों का आवंटन ड्रॉ के जरिए किया जाएगा। ड्रॉ में सबसे पहले एकमुश्त पैसा जमा करने वालों को शामिल किया जाएगा।

दुकानों के लिए आवेदन शुरू

यमुना प्राधिकरण ने दुकानों और क्योस्क की योजना लॉन्च कर दी है। इस योजना में 17 अगस्त से आवेदन शुरू हो गए। 9 सितंबर अंतिम तारीख रखी गई है। दुकानें यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-22डी में हैं। योजना में 15 दुकानें हैं। ये दुकानें 30.17 वर्ग मीटर से लेकर 31.22 वर्ग मीटर की हैं। इनका आधार मूल्य 34,58,991 रुपये से लेकर 35,79,373 रुपये है। योजना में शामिल किए गए नौ क्योस्क कई सेक्टर में हैं। ये क्योस्क 7.15 वर्ग मीटर से 9.59 वर्ग मीटर तक के हैं। इनका आधार मूल्य 706000 रुपये से लेकर 947000 रुपये तक है। इस योजना में 17 अगस्त से आवेदन शुरू हो गए। नौ सितंबर तक ऑनलाइन आवेदन किए जा सकते हैं। नीलामी के जरिये आवंटन किया जाएगा। यमुना प्राधिकरण के बकायेदार 12,000 से अधिक आवंटियों के लिए राहत भरी खबर है। प्राधिकरण पहली सितंबर से एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लाएगा। इसमें बकायेदारों का ब्याज माफ हो जाएगा। यह योजना प्राधिकरण पहले भी लाई गई थी। इसमें 4000 लोगों ने लाभ उठाया था।

यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक 24 अगस्त को होगी। बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे जाएंगे। इस बैठक में बकायेदारों के लिए एकमुश्त समाधान योजना लाई जाएगी। इस योजना का सभी तरह के आवंटी लाभ ले सकते हैं। इसमें बकायेदार आवंटियों का ब्याज माफ किया जाएगा। इस योजना में प्राधिकरण के करीब 12000 आवंटी लाभ लेने के दायरे में आ जाएंगे। यह योजना एक सितंबर से लागू करने की तैयारी है। इसमें 31 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ. अरुणवीर सिंह ने कहा कि यमुना प्राधिकरण के सेक्टर-16 में आवासीय भूखंडों की योजना अगले हफ्ते लॉन्च की जाएगी। इस योजना में 326 भूखंड हैं। ड्रॉ के जरिए आवंटन किया जाएगा।

रोहिंग्या मुसलमानों को लेकर आप और भाजपा आमने-सामने

टीबीसी न्यूज। रोहिंग्या मुसलमानों को बसाने के मामले में केजरीवाल सरकार और भाजपा आमने सामने हैं। भाजपा का आरोप है कि दिल्ली सरकार रोहिंग्या को आवास देकर बसाना चाहती है जबकि आप आदमी पार्टी के नेताओं का आरोप है कि रोहिंग्या को बसाने का कार्य भाजपा कर रही है। इसी क्रम में दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने आरोप लगाया है कि दिल्ली सरकार पूरी तरह से रोहिंग्या मुसलमानों को बसाने के लिए काम कर रही है। इन्हें आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं व विधायकों द्वारा खुलेआम संरक्षण दिया जा रहा है, दिल्ली के कर दाताओं के पैसे से मुफ्त भोजन, कपड़े, बिजली, पानी और अन्य सुविधाएं दी जा रही है। इसमें आप विधायक अमानतुल्लाह खां उन्हें शरणार्थी बताकर मदद की बात करते हैं। केजरीवाल सकरार को मालूम होना चाहिए कि रोहिंग्या शरणार्थी नहीं, घुसपैठिये हैं। इन्हें वापस भेजा जाना चाहिए। इसके लिए इनकी पहचान कर केंद्र सरकार को सूचना देने की जिम्मेदारी दिल्ली सरकार की है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली में रहने वाले लाखों गरीबों को सुविधाएं देने, झुग्गीवासियों को मकान देने और पाकिस्तान से दिल्ली में आकर रहने वाले हिंदू शरणार्थियों की चिंता नहीं है।

महीने के अंत तक आ जाएगा नीट यूजी का रिजल्ट

एनटीए ने दिए संकेत, पिछले साल के मुकाबले इस बार करीब हफ्ते भर पहले ही रिजल्ट जारी करने की तैयारी

नई दिल्ली। छात्रों का मेडिकल के अंडर ग्रेजुएट कोर्सों में दाखिले को लेकर इंतजार जल्द ही खत्म हो सकता है। इसमें दाखिले से जुड़ी परीक्षा नीट (नेशनल एलिजबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट) का रिजल्ट इस महीने के अंत तक घोषित हो जाएगा। हालांकि अभी इसकी कोई तारीख तय नहीं की गई है, लेकिन ज्यादा संभव है कि यह रिजल्ट 24 या 25 अगस्त को घोषित कर दिया जाए। इससे पहले अगले एक-दो दिनों में इसकी आंसर शीट भी जारी हो सकती है।

नीट (यूजी) का रिजल्ट जल्द घोषित करने की छात्रों की मांग के बाद नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने यह संकेत दिए है। इसके साथ ही नीट यूजी का रिजल्ट इस बार पिछले साल यानी 2021 की तुलना में कम समय में ही जारी हो जाएगा। पिछले साल यह रिजल्ट करीब 50 दिनों में जारी किया गया है, जबकि इस बार इसको परीक्षा होने के करीब 40 दिनों के भीतर ही जारी करने की तैयारी है। नीट यूजी की परीक्षा इस बार 17 जुलाई को देश भर में आयोजित हुई थी। जिसमें करीब 16 लाख छात्र शामिल हुए है। एनटीए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक नीट यूजी का रिजल्ट जल्द घोषित करने का फैसला कोरोना के बाद पटरी से उतरे मेडिकल कालेजों के शैक्षणिक सत्र को पटरी पर लाने की पहल से जुड़ी है।

पिछले साल कोरोना संकट के चलते यह परीक्षा 12 सितंबर को आयोजित की गई थी। जिसका रिजल्ट एक नवंबर को घोषित किया गया था। इसके चलते दाखिले की प्रक्रिया में काफी देरी हो गई है। खासबात यह है कि नीट यूजी का रिजल्ट जल्द घोषित करने को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय का भी दबाव है। गौरतलब है कि नीट यूजी के जरिए ही देश भर के मेडिकल कालेजों में एमबीबीएस, बीडीएस आदि कोर्सों में दाखिला दिया जाता है।

प्राधिकरण में संविदा पर तैनात अधिकारी-कर्मचारियों की होगी निगरानी

दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय में चालू शैक्षणिक सत्र में स्नातक पाठ्यक्रमों में ईसीए (एक्सट्रा करिकुलर एक्टिविटी) कोटे के दाखिले के लिए ट्रायल, प्रमाण पत्रों व कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेस टेस्ट (सीयूईटी) के स्कोर के आधार पर रैंक जारी की जाएगी। रैंक प्राप्त करने के लिए ईसीए की 14 श्रेणियों में से किसी एक में 75 अंकों में से 30 अंक लाना अनिवार्य होगा। इस बार दाखिले में 25 फीसदी सीयूईटी स्कोर व 75 फीसदी ईसीए स्कोर का वेटेज मिलेगा।

75 में 60 फीसदी ट्रायल और 15 फीसदी दस्तावेज के अंक शामिल किए जाएंगे। डीयू ने ईसीए के दाखिले के लिए रूपरेखा तैयार की है। इसके तहत जब ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू होगी, तब छात्रों को ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। ईसीए की 14 श्रेणियों में से छात्रों को तीन श्रेणियों में आवेदन करना होगा। इनमें से किसी एक श्रेणी में दाखिले का अवसर मिलेगा। एनसीसी व एनएसएस श्रेणी के लिए प्रमाणपत्र के अंकों का वेटेज मिलेगा। एनसीसी व एनएसएस श्रेणी के तहत छात्रों के लिए ट्रायल नहीं बल्कि प्रमाण पत्रों के अंकों को वेटेज दी जाएगी।

प्रत्येक कॉलेज मेंएक फीसदी सीट ईसीए व पांच फीसदी खेल कोटे के लिए आरक्षित होती हैं। ईसीए दाखिले से जुड़े अधिकारियों के अनुसार छात्रों को सीयूईटी स्कोर के साथ-साथ ईसीए की किसी एक श्रेणी मेंकम से कम 30 अंक लाना अनिवार्य है। तीन श्रेणी में जो भी अधिकतम स्कोर होगा उसे देखा जाएगा। अधिकारियों के अनुसार इस बार डीयू में सभी स्नातक कोर्सेज के लिए सीयूईटी आयोजित किया जा रहा है। ऐसे में बीबीए, बीबीई, व बीएमएस के दाखिले भी सीयूईटी से होंगे। लिहाजा इस बार ईसीए के लिए सीटें बढ़ जाएंगी। अधिकारी के अनुसार कॉलेजों से सीटों का ब्योरा मंगवाया गया है। ईसीए की करीब 1200 सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे।

ई-वाहनों के प्रोत्साहन पर अब तक 100 करोड़ रुपये की सब्सिडी

दिल्ली को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए दिल्ली सरकार ने दो साल में ई- वाहनों को प्रोत्साहित करने के लिए अब तक करीब 100 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी है। सरकार की इलेक्ट्रिक वाहन नीति (ईवी पॉलिसी) के लागू होने के दो साल के दौरान 62,483 ई वाहनों की बिक्री हुई। नए पंजीकृत वाहनों में दो तिहाई फीसदी दोपहिया वाहनों को देखते हुए सरकार अब दोपहिया और तिपहिया वाणिज्यिक वाहनों को इलेक्ट्रिक वाहनों में तब्दील करने को तवज्जो दे रही है। दिल्ली के सार्वजनिक परिवहन के बेड़े में 2023 तक दिल्ली के परिवहन बेड़े में 2000 इलेक्ट्रिक बसें शामिल की जाएंगी।

दिल्ली को देश की ईवी राजधानी के तौर स्थापित करने के लिए 7 अगस्त 2020 को दिल्ली इलेक्ट्रिक वाहन नीति-2020 की शुरू की गई। फरवरी 2021 में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए स्विच दिल्ली अभियान की शुरुआत की। इस महीने दिल्ली ईवी नीति के दो वर्ष पूरे हो गए। नई ईवी नीति लागू होने के बाद दिल्ली का नाम दूसरे राज्यों में अपनाने के लिए एक उदाहरण साबित हुआ है। नीति के लागू होने से पहले दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार ई-रिक्शा का बोलबाला था। उस वक्त ईवी की बिक्री में ई रिक्शा की 85 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी।

दिल्ली में बढ़ते वायु प्रदूषण को देखते हुए शून्य उत्सर्जन वाले ईंधन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने ईवी नीति को लागू किया। दिल्ली में पंजीकृत होने वाले नए वाहनों में दो तिहाई वाहन दोपहिया वाहन हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग की सुविधा मुहैया करने के लिए दिल्ली सरकार ने फरवरी, 2021 में दिल्ली ट्रांसको लिमिटेड (डीटीएल) के साथ 100 साइट के लिए निविदा शुरू की। इसके तहत करीब 900 चार्जिंग पॉइंट सहित 100 से अधिक बैटरी स्वैपिंग स्टेशन स्थापित करने की दिशा में पहल की गई। इससे इलेक्ट्रिक वाहनों को महज 2 रुपये प्रति यूनिट की दर पर चार्जिंग की सुविधा होगी और यह देश में न्यूनतम है।

दिल्ली सरकार ने 10 से अधिक पैनल विक्रेताओं के माध्यम से डिस्कॉम के ऑनलाइन पोर्टल से ईवी चार्जर की खरीद के लिए नवंबर 2021 में सिंगल विंडो सुविधा की शुरुआत की। इलेक्ट्रिक ऑटो की खरीद पर ब्याज में पांच फीसदी की राहत के लिए कन्वर्जेंस एनर्जी सर्विसेज लिमिटेड (सीईएसएल) के साथ एक ऑनलाइन पोर्टल भी तैयार किया। मई 2022 में, दिल्ली भारत में ई-साइकिलों को प्रोत्साहन देने वाला पहला राज्य बन

2024 तक 25 फीसदी होंगे ई-वाहन: गहलोत

दिल्ली ईवी नीति के तहत 2024 तक पंजीकरण होने वाले सभी नए वाहनों में 25 फीसदी ईवी का लक्ष्य रखा है। मार्च में इलेक्ट्रिक वाहनों की 12.5 फीसदी हिस्सेदारी थी। दिल्ली के परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में हम दिल्ली को दुनिया की ईवी कैपिटल बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों से दिल्ली में प्रदूषण कम होगा तो दूसरी तरफ इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं।

नोएडा से दिल्ली तक का सफर होगा आसान, जल्द ग्रेनों से होगी शुरुआत

नोएडा एयरपोर्ट को दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जोड़ने के लिए मेट्रो परियोजना पर काम चल रहा है। मंगलवार को दिल्ली मेट्रो रेल कारपोरेशन ने यमुना प्राधिकरण को ग्रेनो के नॉलेज पार्क-2 से नोएडा एयरपोर्ट (35.2 किमी) तक मेट्रो परियोजना की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भेजी थी। अब बृहस्पतिवार को दूसरे चरण के लिए नॉलेज पार्क-2 से दिल्ली तक मेट्रो परियोजना की फिजिबिलिटी रिपोर्ट व डीपीआर तैयार कर भेजी गई है। डीपीआर के मुताबिक नॉलेज पार्क से दिल्ली तक 37.5 किमी का कॉरिडोर बनेगा। इसमें 3.5 किमी का हिस्सा भूमिगत होगा। कॉरिडोर पर 7600 करोड़ रुपये का खर्च आएगा और यह एक्सप्रेसवे के किनारे से नोएडा होकर गुजरेगा। इसे नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लिंक किया जाएगा। जिले में कुल सवा सात किमी लंबाई का कॉरिडोर भूमिगत होगा। यमुना प्राधिकरण की 24 अगस्त को होने वाली बोर्ड बैठक में फिजिबिलिटी रिपोर्ट को रखा जाएगा। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस साल दिसंबर तक मेट्रो कॉरिडोर के लिए सभी जरूरी एनओसी पूरी हो जाएंगी। जेवर से दिल्ली को जोड़ने के लिए दोनों चरणों में करीब 12929 करोड़ रुपये की लागत आएगी। पहले चरण में जेवर से ग्रेनो के नॉलेज पार्क (5329 करोड़ रुपये का खर्च) और दूसरे चरण में नॉलेज पार्क से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को लिंक किया जाएगा। यह कॉरिडोर एक्वा लाइन से अलग होगा और अधिकतर हिस्सा नोएडा एक्सप्रेसवे के साथ-साथ होकर जाएगा। इसमें कुल 10 स्टेशन बनाए जाएंगे। जेवर से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक कुल 72.5 किमी लंबा कॉरिडोर दो चरणों में बनेगा।

दो साल में होगा तैयार

ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क दो से नई दिल्ली रेलवे स्टेशन तक 37.5 किमी लंबे कॉरिडोर को दो साल में तैयार करने की योजना है। नॉलेज पार्क से आगे सेक्टर-142, ओखला पक्षी विहार, न्यू अशोक नगर और अंतिम दिल्ली गेट के नाम से स्टेशन बनेंगे।

दिल्ली नगर निगम का ड्रोन ढूंढ रहा संपत्तिकर डिफाल्टर

नई दिल्ली। अगर, आप पैसा बचाने के लिए गलत जानकारी देकर संपत्तिकर जमा कर रहे हैं तो आपको महंगा पड़ सकता है। अब दिल्ली नगर निगम ने जमा संपत्तिकर की सत्यता की जांच के लिए ड्रोन का सहारा लिया है। जिसके तहत संपत्तियों का सर्वे किया जा रहा है।

ड्रोन की सर्वे रिपोर्ट से निगम अपने डाटा की जांच करेगा और इसके बाद जो भी डिफाल्टर पाया जाएगा, उसे जुर्माने के साथ बकाया संपत्तिकर देना होगा। दिल्ली में पहली बार निगम ने पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर दक्षिणी दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र से इसकी शुरुआत की है। जिसका सर्वे पूरा हो गया है। अगर, निगम का यह पायलट प्रोजेक्ट ठीक रहा तो आने वाले दिनों में अन्य और औद्योगिक क्षेत्रों में इसी प्रक्रिया को अपनाया जाएगा।संपत्तिकर विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार संपत्तिकर निगम के राजस्व के प्रमुख स्रोतों में से एक है। ऐसे में हम नए संपत्तिकर देने वालों को भी जोड़ रहे हैं। हमारी कोशिश है कि जो लोग संपत्तिकर नहीं दे रहे हैं उन्हें इसके दायरे में लाया जाए। साथ ही इस प्रक्रिया के तहत जो लोग संपत्तिकर जमा कर रहे हैं वह मानकों के अनुरूप है या नहीं, हम ऐसे संपत्तिकर दाताओं की भी जांच करते हैं। पहली बार ओखला औद्योगिक क्षेत्र में ड्रोन के इस्तेमाल से संपत्तियों की थ्री डी इमेज बना रहे हैं। इसके साथ ही संपत्तियों का एरिया और उसकी ऊंचाई व मंजिल भी हमें इस सर्वे से पता लग जाएगी। इसके बाद लोगों द्वारा जमा संपत्तिकर से हम इसका मिलान करेंगे।

15 अगस्त पर देशभक्ति के रंग में रंगा शहर

सरकारी दफ्तरों और सोसाइटियों मे हर्षोल्लास से किया गया ध्वजारोण

गाजियाबाद। स्वतंत्रता दिवस पर शहर की अलग अलग जगहों पर 15 अगस्त के दिन ध्वजारोहण के साथ देशभक्ति के तराने गूंजे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अपील पर हर घर तिरंगा कार्यक्रम करीब एक सप्ताह पहले से चल रहा है। इसका असर 15 अगस्त के दिन देखने को मिला, जब हर घर के साथ कार्यालय, प्रतिष्ठान, सोसायटी समेत सभी जगहों पर ध्वजारोहण किया गया। आफिसर सिटी-2 में ध्वजारोहण के साथ ही देशभक्ति से ओत-प्रोत प्रस्तुतियां भी दी गईं। जिलाधिकारी सभागार में डीएम राकेश कुमार सिंह ने ध्वजारोण किया

यहां हुआ ध्वाजरोहण : शालीमार गार्डन, वैशाली, वसुंधरा, राजनगर एक्सटेंशन की केडीपी ग्रैंड सवाना सोसायटी में एओए की ओर से हुए आयोजन में अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी व संरक्षक जेएन त्यागी ने ध्वजारोहण किया। सुधीर गंगवार ने बताया कि शानदार प्रस्तुति देने वाले और प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर बुजुर्गो का सम्मान किया गया। यूनिनव हाईट्स में पार्षद तेजपाल राणा ने ध्वजारोहण किया। राजनगर एक्सटेंशन की चार्म्स कैसल, गुलमोहर गार्डन, वीवीआइपी एड्रेसेज, रिवर हाईट्स, देविका स्काइपर्स, राजनगर रेजिडेंसी, बालमुकंदा व स्टार रामेश्वरम समेत सभी सोसायटी में ध्वजारोहण किया गया। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी में अध्यक्ष मनवीर चौधरी ने ध्वजारोहण कर लोगों को 76वें स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दीं। शास्त्रीनगर की जीवन विहार कालोनी में पार्षद राजकुमार नागर ने ध्वजारोहण किया। एसएन सिंह, बाल कृष्ण सामा व लखन लाल समेत अन्य पौधे भी लगाए। बाग वाली कालोनी में आरडब्ल्यूए के नेतृत्व में बुजुर्ग व महिलाओं ने स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगांठ मनाई। गगन एन्क्लेव में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष रघुनंदन भारद्वाज ने ध्वजारोहण किया। अवंतिका आरडब्ल्यूए की ओर से महर्षि दयानंद पार्क में अध्यक्ष हृदयेश कंसल ने ध्वजारोहण किया। सिद्धार्थ विहार स्थित ब्रह्मपुत्र एन्क्लेव में अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने ध्वजारोहण किया। शैलेंद्र सिंह, चंद्रवीर, कमल मोहन मौजूद रहे। **यहां तिरंगा यात्र भी निकाली :** कैला भट्टा में पार्षद जाकिर अली सैफी ने सैकड़ों युवाओं के साथ अलग-अलग गलियों में तिरंगा यात्र निकाली और भारत माता की जय के नारे नाले लगाए। कैला भट्टा चौकी के पास चौकी प्रभारी अनंगपाल राठी ने समाजसेवी अलाउद्दीन अब्बासी के साथ ध्वजारोहण किया और तिरंगा यात्र निकाली। राजनगर एक्सटेंशन में युवा भारत फाउंडेशन व आल इंडिया हेल्थ केयर वर्कर्स ने तिरंगा रैली निकाली। रैली में शामिल जय यादव, डा. गौरव सक्सेना, राम अवतार सिंह, पंकज गर्ग व अमित कुमार समेत अन्य ने भारत मां के जयकारों से देशभक्ति का माहौल बनाया।

निजी स्कूलों में दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू

टीबीसी न्यूज। सरकारी जमीन पर बने निजी स्कूलों में 20 फीसदी आर्थिक पिछड़े वर्ग (ईडब्लयूएस) की सीटों पर दूसरी से नौवीं कक्षा में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया बृहस्पतिवार से शुरू होने जा रही है। ईडब्ल्यूएस की इन सीटों पर दाखिले के लिए आवेदक शिक्षा निदेशालय की वेबसाइट http://www.edudel.nic.in/ के माध्यम से 25 अगस्त शाम पांच बजे तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया समाप्त होने के बाद पहला कंप्यूटराइज्ड ड्रा 30 अगस्त को किया जाएगा। शिक्षा निदेशालय ने इन सीटों पर दाखिले के लिए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। दिशा-निर्देशों के अनुसार दूसरी कक्षा में दाखिले के लिए बच्चे की आयु 6 वर्ष से अधिक व सात वर्ष से कम, तीसरी कक्षा के लिए आयु सात वर्ष से अधिक व आठ वर्ष से कम, चौथी कक्षा के लिए आठ वर्ष से ज्यादा व नौ वर्ष से कम होना जरूरी है।

धूमधाम से मनाया गया कृष्ण जन्माष्टमी का त्योहार

विशेष पूजा अर्चना हुई

राजेंद्र नगर के इस्कॉन मंदिर, सूर्यनगर और चंद्र नगर मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर मंदिर में विशेष पूजा अर्चना हुई। यहां ठाकुरजी को पंचामृत से अभिषेक कराया गया। नए पीतांबर वस्त्र धारण कराए गए। श्रद्धालुओं ने अभिषेक के साथ ठाकुरजी का विशेष श्रंगार भी किया। पंडित शिवकुमार शास्त्री, कुलदीप शर्मा और रोशन झा ने बताया कि रात के समय विशेष पूजा हुई। सामूहिक आरती के बाद प्रसाद बांटा गया।

यहां होगी कान्हा की छठी

शालीमार गार्डन शिवचौक के मां जगदम्बा मंदिर में 29 अगस्त को कान्हा की छठी भी मनाई जाएगी। मंदिर समिति की तरफ से राजीव भाटी ने बताया कि कान्हा की छठी पर कढ़ी व चावल का प्रसाद बांटा जाएगा। श्यामपार्क एक्सटेंशन के प्राचीन हनुमान मंदिर के पंडित रोशन झा और श्रीराम मंदिर के पंडित ने बताया कि जन्माष्टमी के बाद कान्हा की छठी पर भव्य आयोजन होगा। जगह-जगह सोसायटी व कॉलोनियों में भी भंडारा लगाकर प्रसाद बांटा जाएगा।

Printed and Published by Dheeraj Kumar Bhargava at B.F.L Inrotech Ltd, C-9, Sector-3 Noida, Distt. Gautam Budh Nagar and Published at 282, Sarai Nazar Ali, behind MMG Hospital Ghaziabad (U.P.) 201 001. Editor: Dheeraj Kumar, Resident Editor: Manisha Bhargava** Email: editor@tbam.co.in (RNI. No): UPBIL/2009/28691 Postal Registration No. UP/GBD80/2016- 18. Advertisement : Ph. No.: 0120-2850800, 2850297, Fax : 0120-4561000 at Plot No 516, Sector 12: Friends Co-operative Society, Vasundhra, Ghaziabad (U.P.)** Responsible for selection of News under the PRB Act. Repro- duction in any manner, electronic or otherwise in whole or in post without prior written permission is prohibited.